न्यूज़ टुडे

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) की पहली सभा आयोजित की गई

IBCA की पहली सभा नई दिल्ली में आयोजित की गई। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने इस सभा की अध्यक्षता की। साथ ही, IBCA के महानिदेशक की नियुक्ति भी की गई।

- यह सभा IBCA की सर्वोच्च निर्णय-निर्माणकारी संस्था है। इसकी प्रत्येक दो वर्षों में कम-से-कम एक बार बैठक आयोजित होती है।

IBCA के बारे में

- यह कई देशों और कई एजेंसियों का एक समूह (गठबंधन) है। इसमें 95 ऐसे देश शामिल हैं- जहां बड़ी बिल्ली प्रजातियां पाई जाती हैं, और कुछ ऐसे देश भी हैं, जो बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में रुचि रखते हैं।
  - इन बड़ी बिल्लियों में बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा शामिल हैं। (टेबल देखें)
- उत्पत्ति: IBCA को भारत के प्रधान मंत्री ने 2023 में लॉन्च किया था। इसे 'प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने' के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया गया था।
- मुख्य उद्देश्य: बड़ी बिल्लियों के संरक्षण हेतु सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने के लिए एक समर्पित मंच की स्थापना करके सहयोग एवं समन्वय को बढ़ावा देना।
- संस्थापक सदस्य (16 देश): आर्मेनिया, बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, मिस्र, इथियोपिया, इक्वाडोर, भारत, केन्या, मलेशिया, मंगोलिया, नेपाल, नाइजीरिया, पेरू, सूरीनाम और युगांडा।
  - भारत इसका मेजबान देश है और यहां इसका सचिवालय भी है।

सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों की संरक्षण स्थिति

बड़ी बिल्ली प्रजातियां (Big Cats)	IUCN रेड लिस्ट श्रेणी	CITES दर्जा	वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
बाघ (पैंथेरा टाइग्रिस)	एंडेंजर्ड	परिशिष्ट-I	अनुसूची-1
शेर (पैंथेरा लियो)	वल्नरेबल	परिशिष्ट-I	अनुसूची-1
तेंदुआ (पैंथेरा पार्डस)	वल्नरेबल	परिशिष्ट-I	अनुसूची-1
हिम तेंदुआ (पैंथेरा अन्सिया)	वल्नरेबल	परिशिष्ट-I	अनुसूची-1
चीता (एसिनोनिक्स जुवेटस)	वल्नरेबल	परिशिष्ट-I	अनुसूची-1
जगुआर (पैंथेरा ओंका)	नियर थ्रेटेन्ड	परिशिष्ट-I	भारत में नहीं पाई जाती
प्यूमा (प्यूमा कॉनकलर)	लीस्ट कंसर्न	परिशिष्ट-I	भारत में नहीं पाई जाती

बड़ी बिल्लियों और उनके पर्यावासों की सुरक्षा का महत्त्व

- जैव विविधता की रक्षा करता है: कीस्टोन प्रजाति के रूप में बड़ी बिल्लियां पारिस्थितिक-तंत्र को संतुलित करती हैं और जैव विविधता की रक्षा करती हैं।
- जलवायु परिवर्तन शमन: बड़ी बिल्लियों के पर्यावासों के संरक्षण से वनों, जल स्रोतों और कार्बन सिंक की सुरक्षा होती है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में सहायता मिलती है।
- अर्थव्यवस्था में योगदान: आजीविका के अवसर उपलब्ध होते हैं और इकोटूरिज्म को बढ़ावा मिलता है।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) ईयरबुक 2025 में परमाणु हथियार बढ़ाने की नई प्रतिस्पर्धा की चेतावनी दी गई

मुख्य निष्कर्ष

- वैश्विक परमाणु भंडार में गिरावट: शीत युद्ध के अंत के बाद से अब तक, जितने परमाणु हथियार समाप्त किए गए हैं, नए हथियारों की संख्या उनसे कम रही है।
- हथियारों की संख्या बढ़ाने वाले देश: चीन सबसे तेजी से अपने परमाणु हथियार बढ़ा रहा है, उसके पास अब कम-से-कम 600 परमाणु हथियार हैं।
  - भारत के परमाणु हथियारों की संख्या 172 से बढ़कर 180 हो गई है, जो पाकिस्तान के 170 से ज्यादा है।
- आधुनिकीकरण: 2024 में सभी 9 परमाणु हथियार संपन्न देशों ने अपने हथियारों को और आधुनिक बनाने का काम जारी रखा था।
- विस्फोटक सामग्री की स्थिति: परमाणु हथियार बनाने में विस्फोटक सामग्री के रूप में विखंडनीय सामग्री या तो अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम (HEU) या अलग किए गए प्लूटोनियम का इस्तेमाल किया जा रहा है।
  - चीन और पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियारों में उपयोग के लिए HEU एवं प्लूटोनियम दोनों का उत्पादन किया है।
  - भारत और इजरायल ने मुख्य रूप से प्लूटोनियम का उत्पादन किया है।
- उभरते खतरे:
  - आधुनिक प्रौद्योगिकियां: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), साइबर क्षमताएं, अंतरिक्ष परिसंपत्तियां, मिसाइल रक्षा और क्वांटम तकनीक का तेजी से विकास परमाणु हथियारों से जुड़ी नवीन चुनौतियां पैदा कर रहा है।

परमाणु अप्रसार को नियंत्रित करने से जुड़ी पहलें

परमाणु अप्रसार संधि (NPT), 1970
- निरस्त्रीकरण के लक्ष्य के साथ एकमात्र बाध्यकारी संधि।
- भारत, इजरायल और पाकिस्तान कभी इसमें शामिल नहीं हुए।
- 2003 में उत्तर कोरिया इससे अलग हो गया था।

व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT), 1996
- यह सभी परमाणु विस्फोटों (सैन्य और शांतिपूर्ण) पर प्रतिबंध लगाती है।
- भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए।

आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि, 1963
- वायुमंडल, बाह्य अंतरिक्ष और जल के नीचे परमाणु हथियार परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाती है।
- भारत ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं और इसकी अभिपुष्टि भी की है।

परमाणु हथियार निषेध संधि (TPNW) 2017
- परमाणु हथियार गतिविधियों पर व्यापक प्रतिबंध।
- भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

न्यू स्टार्ट/ START संधि, 2011
- रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्विपक्षीय परमाणु हथियार नियंत्रण संधि।

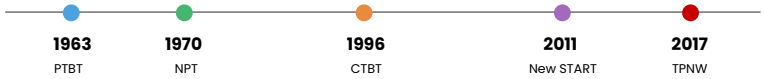

- संकट में हथियार नियंत्रण: हालांकि, न्यू स्टार्ट/ START संधि 2026 की शुरुआत तक लागू है, परन्तु वर्तमान में इसे नवीनीकृत करने या नई संधि पर बात होने के कोई संकेत नहीं हैं।

113वां अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (ILC) जिनेवा में संपन्न हुआ

अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन (ILC), **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की वार्षिक बैठक** है।

113वें सम्मेलन की मुख्य उपलब्धियों पर एक नजर

- **कार्य-परिवेश में जैविक खतरों पर कन्वेंशन, 2025 (कन्वेंशन संख्या 192) को अपनाया गया:** यह कार्य-परिवेश में जैविक खतरों से निपटने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
  - इस कन्वेंशन में सदस्य देशों से **व्यवसाय (पेशा) की प्रकृति की वजह से कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य** पर राष्ट्रीय नीतियां बनाने तथा **जैविक खतरों की रोकथाम एवं सुरक्षा से संबंधित उपाय अपनाने** की सिफारिश की गई है।
- **सामुद्रिक श्रम कन्वेंशन, 2006 (Maritime Labour Convention: MLC) में संशोधन को मंजूरी:** संशोधन के तहत नाविकों (Seafarer) को **"अपने जहाज से बाहर समय व्यतीत करने (shore leave) और स्वदेश वापसी के अधिकार"** देने के प्रावधान किए गए हैं। साथ ही, इसमें नाविकों को **प्रमुख श्रमिक (key workers) के रूप में मान्यता** देने की भी मांग की गई है।
  - **सामुद्रिक श्रम कन्वेंशन** बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय कानून है। यह जहाजों पर सभी नाविकों के लिए **न्यूनतम कार्य-दशाएं मानक और न्यूनतम जीवन स्तर मानक उपलब्ध** कराना सुनिश्चित करता है। भारत ने **2015 में इस कन्वेंशन की अभिपुष्टि** की थी।
- **प्लेटफ़ॉर्म आधारित अर्थव्यवस्था में सम्मानित कार्य:** इस कन्वेंशन में प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में सम्मानित कार्य सुनिश्चित करने को लेकर **पहली बार मानक निर्धारित करने पर चर्चा** की गई थी। यह चर्चा डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े कामगारों के **अधिकारों और कार्य-दशाओं को बेहतर बनाने की दिशा में अहम कदम** है।
- **अनौपचारिक कार्य को कम करने पर संकल्प:** अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन ने **अनौपचारिक कार्य को कम करने और औपचारिक कार्य को अपनाने को समर्थन देने के लिए एक संकल्प** अपनाया है।
  - इस संकल्प में **विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्रक के कामगारों के लिए कार्य-दशाओं में सुधार, सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार और सम्मानित कार्य** सुनिश्चित करने हेतु तत्काल कार्रवाई की सिफारिश की गई है।
- **अन्य उपलब्धियां:** 2025 में दोहा में आयोजित होने वाले द्वितीय **"सामाजिक विकास के लिए विश्व शिखर सम्मेलन" में ILO के त्रिपक्षीय योगदान को औपचारिक रूप से मंजूरी** दी गई।

सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन

- **113वें** अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के साथ वार्षिक फोरम **"सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन (Global Coalition for Social Justice)"** के दूसरे संस्करण का भी आयोजन जिनेवा में हुआ।
- यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा **2023 में शुरू की गई एक पहल** है। इसका उद्देश्य नीति और कार्रवाई में सुसंगतता के माध्यम से सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हितधारकों को एक साथ लाना है।

DRDO और IIT दिल्ली के शोधकर्ताओं ने क्वांटम एंटेंगलमेंट आधारित फ्री-स्पेस कम्युनिकेशन में सफलता पाई

शोधकर्ताओं ने **करीब 1 किलोमीटर की दूरी तक फ्री-स्पेस ऑप्टिकल लिंक के जरिए क्वांटम सिक्योर कम्युनिकेशन** का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।

- इससे पहले **इसरो ने 2021 में 300 मीटर से अधिक दूरी तक पहला फ्री-स्पेस QKD** का प्रदर्शन किया था।

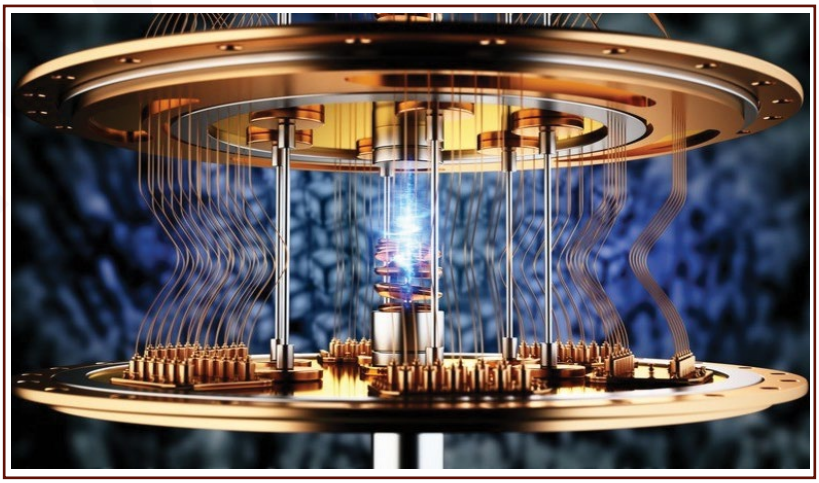

प्रयोग के बारे में

- यह प्रयोग DRDO के **'फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) के लिए फोटॉनिक तकनीकों के डिजाइन और विकास'** प्रोजेक्ट का हिस्सा था।
- इस प्रयोग में **क्वांटम बिट त्रुटि दर (QBER) 7% से भी कम** रही।
  - QBER यह दर्शाता है कि भेजी गई और प्राप्त जानकारी में कितना अंतर है यानी जानकारी को कोई तीसरा व्यक्ति गोपनीय रूप से तो प्राप्त नहीं कर रहा है।
- यह **क्वांटम साइबर सुरक्षा, लंबी दूरी की QKD और भविष्य के क्वांटम इंटरनेट में रियल टाइम अनुप्रयोगों** के लिए मार्ग प्रशस्त करता है।

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) क्या है?

- **संचार प्रौद्योगिकी:** यह एक **क्वांटम संचार तकनीक** है, जो क्वांटम मैकेनिक्स अर्थात् **क्वांटम एंटेंगलमेंट और क्रिप्टोग्राफी** पर आधारित है।
  - **क्वांटम मैकेनिक्स** विज्ञान की एक नई शाखा है जो यह बताती है कि अत्यंत **सूक्ष्म कण एक ही समय में कण और तरंग (एक हलचल या भिन्नता जो ऊर्जा स्थानांतरित करती है) दोनों जैसा व्यवहार** करते हैं।
    - भौतिक विज्ञानी इसे **"वेव=पार्टिकल डुअलिटी यानी तरंग-कण द्वैत"** कहते हैं।
- **मुख्य सिद्धांत:**
  - **क्वांटम एंटेंगलमेंट:** इस प्रक्रिया में, कई क्वांटम कण एक-दूसरे से इस तरह जुड़े होते हैं कि एक कण की स्थिति तुरंत दूसरे कण की स्थिति को प्रभावित कर सकती है, चाहे वे कितनी भी दूरी पर हों।
  - **क्वांटम क्रिप्टोग्राफी:** एक ऐसी एन्क्रिप्शन तकनीक है, जो डेटा को इतनी सुरक्षा देती है कि उसे कोई हैक नहीं कर सकता।

एंटेंगलमेंट-आधारित QKD के लाभ

- **कार्यक्षमता:** यह तकनीक **सुरक्षित तरीके से कुंजी (key) साझा** करने में सक्षम है, **भले ही डिवाइस पूरी तरह सुरक्षित हो या परफेक्ट न हो।**
- **जासूसी का पता लगाना:** अगर कोई तीसरा व्यक्ति **फोटॉन्स** को बीच में मापने या रोकने की कोशिश करता है, तो उनकी **क्वांटम अवस्था** बदल जाती है, जिससे तुरंत पता चल जाता है कि जासूसी हो रही है।
- **फ्री-स्पेस QKD:** इस तकनीक में **महंगे फाइबर-ऑप्टिक केबल** की जरूरत नहीं होती। इसलिए, यह **पहाड़ी इलाकों या घनी आबादी वाले शहरों** में भी आसानी से काम कर सकती है।

भारत के प्रधान-मंत्री साइप्रस की यात्रा पर गए थे

पिछले 23 वर्षों में **पहली बार कोई भारतीय प्रधान-मंत्री साइप्रस की राजकीय यात्रा पर गए थे।** इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत-साइप्रस ने **"व्यापक साझेदारी के कार्यान्वयन पर संयुक्त घोषणा-पत्र"** पर हस्ताक्षर किए।

- भारत के प्रधान मंत्री को साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान **'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III'** से सम्मानित किया गया।

भारत-साइप्रस संयुक्त घोषणा-पत्र के प्रमुख बिंदु

- दोनों देशों ने **संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था** के प्रति अपना समर्थन दोहराया।
- दोनों देशों ने **'साइप्रस समस्या' (Cyprus Question) के पूर्ण और स्थायी समाधान हेतु संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में वार्ता फिर से शुरू करने की अपनी प्रतिबद्धता** जताई।
- साइप्रस ने भारत में **सीमा-पार आतंकवादी हिंसा की निंदा** की और हाल ही में **पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में आलोचना** की।

भारत के लिए साइप्रस क्यों महत्वपूर्ण है?

- **तुर्की-पाकिस्तान गठजोड़ को प्रतिसंतुलित करना:** भारत के प्रधान मंत्री की साइप्रस यात्रा **पाकिस्तान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की भारत की व्यापक रणनीति** का हिस्सा है।
  - **तुर्की ने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन** किया है और उसने **ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान का पक्ष** लिया था।
- **यूरोप का प्रवेश द्वार:** साइप्रस भारत-यूरोप को जोड़ने वाले **ऊर्जा गलियारे** का हिस्सा है। साथ ही, वह **भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) के माध्यम से पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को भी सशक्त** बना सकता है।
- **प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI):** 2000–2025 के बीच साइप्रस ने भारत में कुल 14.65 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था। इस तरह **साइप्रस भारत में निवेश करने वाले शीर्ष 10 देशों में शामिल** है।
- **भारत-यूरोपीय संघ संबंधों को मजबूत बनाने में योगदान:** 2026 में साइप्रस **यूरोपीय संघ (EU) की परिषद की अध्यक्षता** करेगा। इससे साइप्रस यूरोपीय संघ के भीतर भारत के हितों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
  - गौरतलब है कि **EU के सदस्य देश यूरोपीय संघ की परिषद की बारी-बारी से अध्यक्षता** करते हैं।
- **अन्य दृष्टि से महत्त्व:** साइप्रस भारत को **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता, तथा परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (NSG) की सदस्यता के लिए समर्थन** देता रहा है।

साइप्रस समस्या क्या है?

- साइप्रस **पूर्वी भूमध्य सागर में तुर्की और सीरिया के निकट स्थित द्वीपीय देश** है।
  - यह **भौगोलिक रूप से एशिया में होने के बावजूद यूरोपीय संघ (EU) का सदस्य** है।
- साइप्रस को **1960 में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता** मिली थी; परंतु 1974 से यह द्वीप **तुर्की समर्थित उत्तरी साइप्रस और रिपब्लिक ऑफ साइप्रस** में बंटा हुआ है। इसे ही **"साइप्रस समस्या"** कहा जाता है।
- भारत इस समस्या के समाधान के रूप में संयुक्त राष्ट्र संकल्पों पर आधारित **द्वि-क्षेत्रीय और द्वि-सामुदायिक संघीय प्रणाली (Bi-zonal and bicommunal federation)** का समर्थन करता है।

अन्य सुर्ख़ियां

जनगणना 2027

भारत के रजिस्ट्रार जनरल की हालिया अधिसूचना के अनुसार देश में जनगणना **वर्ष 2027 में कराई जाएगी**। यह अधिसूचना **जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत** जारी की गई है।

- भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त **केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत** कार्य करता है।

जनगणना 2027 के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- जनगणना **दो चरणों में आयोजित की जाएगी:**
  - **चरण I: आवासीय इकाइयों की सूची** बनाई जाएगी;
  - **चरण II: जन आबादी की गणना** की जाएगी।
- इस जनगणना के साथ **जातिगत गणना** भी की जाएगी।
- डिजिटल माध्यम से जनगणना कराई जाएगी। इसमें **मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग** किया जाएगा।
- लोगों को **स्वयं गणना (Self-enumeration) करने की सुविधा** भी उपलब्ध कराई जाएगी।

'साइबर सुरक्षा'

रक्षा मंत्रालय की **डिफेंस साइबर एजेंसी** ने साइबर सुरक्षा अभ्यास **'साइबर सुरक्षा'** की शुरुआत की।

'साइबर सुरक्षा' अभ्यास के बारे में:

- यह एक व्यापक साइबर सुरक्षा अभ्यास है। इस अभ्यास का उद्देश्य राष्ट्रीय साइबर-तंत्र को मजबूत करना है।
- इस अभ्यास को **वास्तविक दुनिया के साइबर खतरों का अनुसरण करते हुए तैयार** किया गया है, ताकि **टार्गेटेड प्रशिक्षण सत्र** प्रदान किए जा सकें।

विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA) -त्वचा रोग संकल्प

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA) ने सर्वसम्मति से "त्वचा रोगों को वैश्विक लोक स्वास्थ्य प्राथमिकता" के रूप में मान्यता देने वाला संकल्प अपनाया।

'त्वचा रोग संकल्प' के बारे में

- आवश्यकता:
  - अधिक लोगों का प्रभावित होना: त्वचा रोग विश्व स्तर पर 1.9 अरब लोगों को प्रभावित करते हैं।
  - उपेक्षित क्षेत्र: विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में अक्सर इन रोगों को अनदेखा किया जाता है, और इनसे निपटने के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं।
- संकल्प का समर्थन: यह संकल्प 'इंटरनेशनल लीग ऑफ डर्मटोलॉजिक सोसाइटीज (ILDS)' द्वारा समर्थित है।
  - ILDS त्वचा-रोग विज्ञान पर विश्व का सबसे बड़ा संगठन है।

संकल्प के प्रमुख प्रावधान:

- वैश्विक कार्य योजना (Global Action Plan): यह कार्य-योजना त्वचा रोगों की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान, प्रभावी उपचार और दीर्घकालिक देखभाल के लिए रूपरेखा प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य-देखभाल में निवेश: स्वास्थ्य-देखभाल की योजनाओं में विशेष रूप से निवेश की सिफारिश की गई है।
- अनुसंधान एवं निगरानी: संकल्प में त्वचा रोगों की रोकथाम में अनुसंधान, इन बीमारियों पर नजर रखने और इनसे जुड़े डेटा संग्रह के विस्तार का समर्थन किया गया है।

फास्ट पेट्रोल वेसल (FPV) अचल

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक बल (ICG) के लिए निर्मित पांचवां FPV 'अचल' लॉन्च किया गया।

- यह आठ FPVs की श्रृंखला में से पांचवां FPV है।

FPV अचल के बारे में

- सुरक्षा, निगरानी, नियंत्रण, गश्ती और समुद्री परिसंपत्तियों व द्वीपीय क्षेत्रों की रक्षा इसका प्रमुख काम है।
- इसे अमेरिकन ब्यूरो ऑफ शिपिंग और इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग के सख्त मानकों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है।
- यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप बनाया गया है। इसमें 60% स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

रिंडरपेस्ट

भोपाल स्थित ICAR-NIHSAD को विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) और संयुक्त राष्ट्र FAO द्वारा "कैटेगरी A रिंडरपेस्ट होल्डिंग फैसिलिटी" के रूप में मान्यता दी गई है।

- ICAR-NIHSAD जानवरों के विदेशी और उभरते रोगजनकों पर एक शोध संस्थान है। यह बर्ड फ्लू के लिए WOAH संदर्भ प्रयोगशाला भी है।

रिंडरपेस्ट (मवेशी प्लेग) के बारे में

- यह संक्रामक वायरल रोग है, जो मुख्यतः गाय और भैंस जैसे खुर वाले जानवरों को प्रभावित करता है।
- कारण: यह रोग पैरामाइक्सोविरिडे फैमिली के मॉर्बिलिविरस वायरस के कारण होता है।
- गंभीरता: यह एक जानवर से दूसरे जानवर में सीधे संपर्क से फैलता है। यह इंसानों को प्रभावित नहीं करता है। यह एक गंभीर रोग है जिससे मौत भी हो सकती है।
  - इस रोग से ठीक होने पर संक्रमित जानवर आजीवन प्रतिरक्षा प्राप्त करते हैं।
- चेचक के बाद यह दुनिया से खत्म होने वाला दूसरा संक्रामक रोग है।

स्विच नीलामी (Switch Auction)

25,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के लिए आयोजित सरकारी स्विच नीलामी में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने लगभग 9,000 करोड़ रुपये स्वीकार किए।

स्विच नीलामी के बारे में

- शुरुआत: यह प्रक्रिया 2019 में RBI द्वारा भारत सरकार की ओर से शुरू की गई थी।
- उद्देश्य: लोक ऋण की मैच्योरिटी अवधि का प्रबंधन करना। इस व्यवस्था के तहत अल्पकालिक मैच्योरिटी वाली प्रतिभूतियों की जगह दीर्घकालिक मैच्योरिटी वाली प्रतिभूतियां ले लेती हैं।
- प्रक्रिया: बाजार के भागीदारों द्वारा 'सोर्स सिक्योरिटीज' भारत सरकार को बेची जाती हैं और साथ ही 'डेस्टिनेशन सिक्योरिटीज' को उद्धृत मूल्यों पर खरीदा जाता है।
- यह प्रक्रिया 'स्विच लेनदेन मॉड्यूल' के माध्यम से ई-कुबेर पोर्टल पर संचालित होती है।
- लाभ: इससे लोक-ऋण की स्थिरता में सुधार होता है, बॉण्ड बाजार परिपक्व होता है, आदि।

पीएम-वाणी (PM-WANI) योजना

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) ने पीएम-वाणी योजना के तहत पब्लिक डेटा ऑफिस (PDO) के लिए रिटेल ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पर दूरसंचार प्रशुल्क आदेश 2025 जारी किया।

प्रधान-मंत्री पब्लिक वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (PM-WANI) योजना के बारे में

- इसे 2020 में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग द्वारा शुरू किया गया।
- उद्देश्य: देश में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत डिजिटल संचार अवसंरचना स्थापित करने के लिए पब्लिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की उपलब्धता बढ़ाना।
- यह योजना स्थानीय दुकानों और प्रतिष्ठानों को लास्ट-माइल तक इंटरनेट सेवा प्रदान करने हेतु वाई-फाई उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करती है।
  - इसके लिए उन्हें कोई लाइसेंस या पंजीकरण शुल्क नहीं देना होता।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने सबसे बड़ा जनजातीय सशक्तिकरण अभियान शुरू किया।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान के बारे में

- इस अभियान के तहत देशभर में गांव और बस्तियों के स्तर पर शिविर लगाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य जनजातीय लोगों को जरूरी सरकारी सुविधाओं और अधिकारों का लाभ प्रदान करना है।
  - उदाहरण के लिए: आधार कार्ड बनाना या उसे अपडेट करना आदि।
- यह 'जनजातीय गौरव वर्ष' के तहत एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य भारत की जनजातियों की विरासत, संस्कृति और योगदान को सम्मान देना है।
- यह अभियान PM-JANMAN/ जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के व्यापक ढांचे के तहत आखिरी व्यक्ति तक सेवा पहुँचाना, जनभागीदारी और गरिमापूर्ण जनजातीय सशक्तिकरण के सिद्धांतों का प्रतीक है।

समर्थ कार्यक्रम

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (C-DOT) ने अपने 'समर्थ' कार्यक्रम के तहत 18 स्टार्ट-अप्स को अनुदान दिया है।

- C-DOT, संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग का दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास केंद्र है।

समर्थ कार्यक्रम के बारे में

- यह C-DOT का स्टार्टअप इनक्यूबेशन प्रोग्राम है। इसका उद्देश्य भारत के टेलीकॉम और आई.टी. क्षेत्रक का विकास करना है।
- इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक स्टार्टअप को 5 लाख रुपये तक का अनुदान, विश्व स्तरीय अवसंरचना, विशेषज्ञ परामर्श, नेटवर्किंग आदि सहायता प्रदान की जाती है।
- कार्यान्वयन भागीदार: सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI) और TiE (द इंडस एंटरप्रेन्योर्स)।
  - STPI, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत एक प्रमुख विज्ञान और प्रौद्योगिकी संगठन है।

भारत दूरसंचार DOT INDIA TELECOM